

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A_001_0772**

Classification:

Original File No:

Title

Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi

Volume:

Running from year: 1958 till year: 1962

Content:

- Correspondence with Head Supervisor & Inspection report of Tokad Middle School.
- Correspondence with District Education Officer.
- Enquiry report of Tokad Middle School.

1958 - 62

File No. 5

Head Supervisor,
LUTHERAN SCHOOLS.

Name _____

Subject Correspondence _____

Serial Nos. _____ to _____

From _____ to _____

Year 19

58 - 62

Noatoli, Date 10-10-54

to The Supervisor Lutheran Missions & School Ranch

Mr.

With respectfullly I beg to say that my
dearness allowances have not come from
June to August 1953-54 of Jalka Lip School
so please kindly to send this balance
because I have great need of money.
At this year I have come at K.T. School
Noatoli. If there is any course of profit
come then you must tell me by any
card. My address is so which is
written down. Please excuse me
on my mistake. I must expect
reply from you. Your faithfully
Hirach Giddei

भारत डाक-टिकट शताब्दी

1854 - 1954

My Address

To. Hizkiel Gidlu
L.T. School Noatoli
P. O. Conlier noatoli
Dist - Rauchi



To
the supervisor
Lutheran Mission school's
Rauchi
P. O. Rauchi
Dist - Rauchi

from - G. Kujur. M.A. Master

(G.E.L) E.P. School

Kumbatoly.

P.D. Lohardaga?

To

D.S. Ranchi

The Head Supervisor

Lutheran schools;

Ranchi

Sir

Most respect fully

I beg to say that the Bill for
Grant-in-aid of our school
period for March, 53 to Feb, 54.
has been forwarded, obtaining
counter signature by S.I. of S. Kurn
circle.

To D.S. Ranchi

I therefore request you to
kindly keep an eye above this
matter and send the sum of Grant
-in-aid amounting Rs. Sixty only as soon

as possible. Because as the
poor & teacher fell in a great
great expense in those days.

Thanking you for the same.

Yours

Hediently

Isiah Kuhn

Ad. Master

(G. S. L.) L. P. Schott

Kumbaoli

POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY

100

100

100

100

100

100

100

100

100

100

100

100

100

100



To

The Head Supervisor

Lutheran Schools

Ran chi

लू० एल० पी० २-कुल
कुम्हारीनी ।
ता० ११ ए० ५४

प० ७० १२/५४.

प्रैषक - हैंड मार्टर;

लू० एरान एल० पी० स्कूल कुम्हारीनी

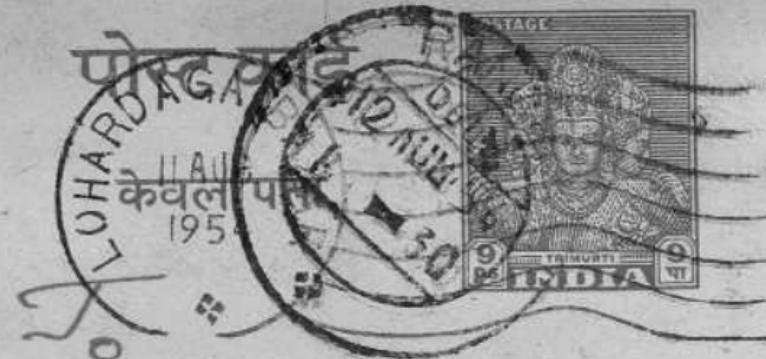
प्रैषक - श्री मान हैंड सुपरवाइजर;

लू० एरान स्कूलस २०८० ।

विषय - आचे ५२ हे फुरवरी ५४ ता०
का गान्ड-इन-हैंड बिल ।

व्याप की उपाया मालूम होवे कि मैंने
ता० २०-६-५४ की व्याप के दफ्तर में
हाजिर हुए था। उपरीहुविलों का बौज
किया गया। उपरीर कार व्याप ने जबाब
दिये कि उक्त बिल स्कूलस सब-इकाइयूर
लौहरदण्डों संपर्क के पास भेजा गया है
काउन्टरसिटीपर होकर व्यापी तक सेर
दफ्तर में नहीं व्याया है। मैंने वहां
लैट भर सब-इकाइयूर काठबलीहर
दण्डों संपर्क ले मुलाकात किया। उक्त
बिल उसी व्यापित में की गयी। लैट
हम बौज का स्कूल व्यापी लैहुरदण्डों
से निकाल कर कुड़े एक जैसे में मिला है।

गम्या। उसे लिखे लाइरेयर्स गां लक्ष्मी
 के ईस-प्राई-बिल में लाई
 करने के लापार थे। उक्तोंने
 इसां के ता. ३१-८-५४ ओजब
 गुरु जेवरींग, होगी तो कुउ के
 छस-प्राई-भी यहां ड्यूबोरींग
 बह बिल में उत्तर के हाथ दे देंगा।
 तांडा-८-५४ की गुरु गोपरींग ने
 मैंने उनके इस बात का धार
 दिलाया। उक्तोंने यह बिल कुउ
 के ईस-प्राई-को दे दियो। मैंने
 कुउ के ईस-प्राई-के युनुरोध
 किया कि यह बिल जल्द वापस
 भर दी जिपेगा। सी प्राप-हसबिल
 के विषय जांचे जाएं। प्राप को
 उक्ती निला है पा नहीं।
 अद्वान्द्व-गुरुत्व : -



नाम The Head
 पता Supervisor;
 डाकखाना Lutheran
 ज़िला Schools
 ज़िला Ranekh

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR LUTHERAN SCHOOLS RANCHI.
Ranchi.

No 132 /62-Hs-5.

Dated the 24th Sept. '62.

To,

The Headmaster,
Tokad Lutheran M. E. School,
P. O. Bandgaon, Singbhum.

With reference to your letter No. nil dated the 24th Sept' 62,
I am enclosing herewith the following:-

1. Letter No. 155/5 R-4-59 dated 5th February 1959, from the Sub-Divisional Education Officer to the Head Supervisor Lutheran Schools Ranchi with drawing of the recognition of the Tokad M.E. School.
2. Letter No. 3010/II-2-58 dated 3rd July 1958, from the District Inspector of Schools to the Deputy Inspector of Schools Sadar asking the letter to withdraw recognition in case the Headmaster of the said school did not stop Religious teaching in his School.

The former letter No. 155 dated 5-2-1959 is sent in original, the other one is a copy. Kindly show them to the D.E.O. and Deputy Inspector of Schools Chaibasa/ and thereafter return the original letter to me.

Yours faithfully,

W. W. W. 19/6
Head Supervisor,
Lutheran Schools Ranchi.

10. 24/9/62
5

5 136
24-9-62 Pohad
24th Sept, 62

Dear Head Supervisor,
Lutheran Schools,
Ranchi.

महाकाश,

ग्रामको गोशुसहाय हैं।

ग्रामकल द्वा लोग दुर्श्व में यह हुए हैं।
ग्रामको है ग्राम दोग ग्राम हो गी।

ग्राम समाचार में नि. 90/9A-8-62
को D.E.O. तथा Deputy, M. दोकान स्कूल
को देखने आये थे। उन्होंने ग्राम कहा कि
Recognition letter (गंजुरी चिट्ठी) और Recognition
Withdrawal letter (गंजुरी नापरी चिट्ठी)
को देखने से ग्राम से बोतचीत करने के
लिए चले आईं।

ग्राम से ग्राम ग्रनी है कि ग्राम उपर्युक्त
दोनों पत्रों को लेकर ग्राम को कृपा करें।

इसे ग्राम ग्रत्याकर्त्यक समझें।

ग्राम का विवरणी;

Rev. A. Hoss.

24/9/62.

क्रमांक: द्रविड़नाडु 26. १५/१६/२
लुधियाने साधारण कियावें; दोस्रा 5

अंदर में, देवसुरवाहन और लुधियाने कहाने,
श्री, १५-३-६९.

मात्रामें, आप को श्रीकृष्णहाथे ।

मैं यहाँ जाने साजे कियावें तुमनीकाम की
कियावें निरीकाम नीर का हक प्रति आप का
दूजा अपराह्न काना ~~कुपया~~ तथा अनुग्रह
कीहित चुहरा कर। श्री गीता पर आप देवे।

धन्यवाद,

आप को विद्वत्.

अनंतीरु १५-३-६९

प्रधानकामदाता.

लुधियाने साधारण कियावें
प्रधानाच्छ्री, १५-३-६९

टोकार विजय सूल,
३० वर्षों, (प्रिय)

प्रेसक: प्रधानाध्यापक,
ज्योरेन माध्यमिक विद्यालय, गोकाड़,

देवार्दि,

हेमपटभोजन सोंप ज्योरेन रस्कुलंड
र्यंची,

दिनांक: १४-३-६२,

विषय: - भिद्दोपाधीक संघर्ष का विद्यालय निश्चिरा-गोट

निर्धारण दिनांक
कंडगाव ३-३-६२,

आज, माध्यमिक विद्यालय में कुछ समय में प्रकरण में इस स्कूल
का अधिकार दिया दिया दिया।

आज विद्यार्थी द्वारा कारबा विहार स्कूल था तथा वर्षे विद्यार्थी के
प्रारंभ स्कूल को सफाई की जा रही थी।

आज को वाचोपरिचय इस प्रकार थी -

१ $\frac{25}{22}$, २ $\frac{9}{14}$, ३ $\frac{8}{11}$, ४ $\frac{6}{9}$, ५ $\frac{6}{10}$, ६ $\frac{6}{9}$, ७ $\frac{6}{10}$ कुल $\frac{6}{20}$

इस माध्यमिक विद्यालय के लिए दीवान संख्या ५८ है तथा दैनिक
देवार में भी सुधार की जरूरत है। विधिक वही देखते से पता चॆना गया
है कि इस वर्ष सितम्बर १५ जानवर विनियोग वहां पर्याप्त नहीं है। विधायिक
मंत्री को अप्रैल २ जानवर की वहां करना है। गत २२-२-६२ तक
विधायिक संघर्ष था तब तक उनका नाम सिंगल रही। विधायिक
मंत्री। विधायिक देखते से पता चॆना गया है कि इस वर्ष वहां थी
जो वर्षे जो विद्यार्थी स्कूल में वहां पर्याप्त नहीं हैं जो इस माध्यमिक
विद्यालय के लिए विनियोग आवश्यक नहीं है।

फिलहाल चार विद्यार्थी भवी कीमत ५२ रुपये
१. श्री. अंतर्जीतराज अद्वितीय ४५

२. श्री. अंतर्जीतराज अद्वितीय ४५

३. श्री. अंतर्जीतराज अद्वितीय ४५

४. श्री. अंतर्जीतराज अद्वितीय ४५

माध्यमिक कथा ने पूर्ण रूप से प्रभाव फैलाया है। इसके काम भी इसके प्रभावित रूप से उनके सहायक शिवाय भी शामिल होना चाहिए। वर्तमान शिवाय के लिए भी वहाँ की दूसरी जाति का उत्तर नहीं, बल्कि जाति इस पर जल्दी उचित ध्यान है।

इस सम्बन्ध की विवरण दिए हुए वर्णन ही जारी है। इसमें विभिन्न विषयों की भावना भी दिया गया है। इसमें भावना की विवरणों के अन्तर्गत इस विषय के विवरण दिया गया है। एवं एक विवरण के अन्तर्गत विभिन्न विषयों की विवरण दिया गया है।

इस विवरण के लिए अहं कोणी जपनि इसका कुछ विवरण दिया गया है। यह लोक अपनी व्यापक विवरण की भावना वाली के अन्तर्गत में विभिन्न विवरणों की विवरण दिया गया है। यह विवरण का एक अधिकारी रखा जाये।

जान इस इसलिए तंत्रज्ञानदी गई है। १-१-१९६९
इसे उत्तर गई है। इसलिए यह एवं कमीशों को देखें।
मनुष्यों ने इसे लिए यही व्यापक व्यापक विवरण दिया गया है।

इसमें यह कमी के विवरणों की विवरण दी जायेगी।
जहाँ में आवश्यक चाहिए वासा के विवरण व्यापक के साथ अहं
आया था।

इसके दो गति-
विवरण दियाए गये हैं। ये भी
भवति के विवरण दिये गये हैं।
सदी - ३/३/६२
विवरण दिया गया है।
सदी - ३/३/६२

सदी -
३/३/६२

विवरण दिया गया है।
विवरण, चाहिए।

from

5

G.E.L. Church Tokad.
Date 30-7-1960 -

The Secretary.

Tokad middle school.

श्रीमान्, हेडम्यूफर वाइजर लुबेरल स्कूल रांची

महाराष्ट्र, ३१४ ओ सुस्थिता दी जाती है जिस दिन-

१९-८-१९६० के दिन विकेंड २-३ जे ओ टोकाद माल्यान्दी
विभालय प्रबंधक समिति जी-१२३ की इतार गई
क्षम एडन्स ने उपरिथर होने जी इष्ट चैर्जे।

माला का विवर
काशी वार्दुना
म. ए. अंडरेय म. प.
जो भी दूसरे से लिखा

W. 378160



1a

Head-superbazar
G. E. S. chanch Banchi
(Ke) ----- Banchi -----

Bro Banchi

Sister Banchi

5

Rev. H. P. S.ijo
Secretary
Texas Luth. M.E. School
No. Bandgaon
No. Singblucon

Mr., I am enclosing herewith true
Copies correspondence passed between
the Education department and me for
you file.

Yours truly

Enclosed

h. 2877/16

Head Experiment

Luther School

True copy of the following letter dated 3 July 1958
(1) No. 3010/4-2-58 Dated 3 July 1958
from Dr. schools, Singblucon to
the Dr. S. I. P. schools Sader Chabana
(2) 53/6/1

7/5/58
7/5/58

7/5/58
7/5/58

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND
ASSAM.

Ranchi, dated the 28th July, 60.

To,

Rev. M. P. Jojo
Secretary,
Tokad Lutheran M. E. School,
P. O. Bandgaon.
Dist. Singbhum.

Sir,

I am enclosing herewith true copies of correspondences passed
between the Education Department ^{and} me for your file.

Yours sincerely,

W.M. 28/7/60.

Head Supervisor Luth. Schools;
Ranchi.

Enclosed : - (8 Copies)

True copies of:-

- (1) No. 3010/II-2-58 dated 3rd July 1958
from D. I. of Schools Singbhum to the
Dy. I. of schools sadar Chaibassa.
- (2) No. 201/58 dated the 14th July, 1958.
from the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi.
to the D. I. of schools, Singbhum, Chaibassa.
- (3) No. 3466/II-2-58 dated the 19th July 1958.
from the D. I. of schools, Singbhum to the
Head Supervisor of schools, ranchi.
- (4) No. 262/58-Hs-37 dated the 9th August 58.
from the Head Supervisor Luth. Schools, Ranchi
to the D. I. of schools, Chaibassa.
- (5) No. 432/58-Hs-37 dated 18th November 1958
from the Head Supervisor, Luth. schools, Ranchi
to the District Education Officer Singbhum, Chaibassa.
- (6) No. 433/58-Hs-37 dated the 20th November 1958,
from the Head Supervisor Luth. Schools, Ranchi.
to the District Education Officer Singbhum, Chaibassa.
- (7) No. 155/5R-4-59 dated the 5th Feb. 1959
from the Sub-Divisional Education officer, Sadar Chaibassa.
to the Head Supervisor Luth. schools, Ranchi.
- (8) No. 20/59-Hs-37 dated the 22nd February 1959.
from the Head Supervisor Luth schools, Ranchi
to the Sub-Divisional Education officer, Sadar, Chaibassa.

Mr. 12/1/60
No. 82

/5R-3-59.

9
27-1-60

Feb - 5

From

The District Education Officer,
Singhbhum.

To

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Chaitasa, the 6 January, 1960.

Subject:- Withdrawal of recognition of Tekad Luthern Middle School.

Sir,

With reference to your letter No. 146 dated 19.11.59, on the subject noted above, I have to send ~~xxxxxx~~ herewith a copy of letter No. 9694 dated 22.12.59, addressed to the Deputy Collector Incharge, Singbhumi.

Yours faithfully,

Mr. A. S. S. 6/1/60

District Education Officer
Sinhbhum.

Enc:- 3 pages.

प्रेषक,

जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिहभूम,

सेवा मैथ्र

प्रभारी- उप समाहर्ता, सिहभूम, चाड़बासा

दिनांक २२ दिसम्बर ५८

विषय:- ॥टोकाड लुथरन माध्यमिक विद्यालय की पुस्तिकृति ॥

महाशय,

आप के पत्रांक ६६११ जी दिनांक २६-११-५८ के पुस्तग में इधित प्रतिवेदन निर्नाकित है :-

विद्यालय निरीक्षण के सिल सिले में कई बार पाया गया है कि टोकाड माध्यमिक विद्यालय में इसाई तथा गैर इसाई धारों को नियमित रूप से धार्मिक शिक्षा दी जाती है। ये धारु अल्प बयस्क हैं। टोकाड ऐसे बेत्रु में इसाई संस्थाओं द्वारा किये गये धर्म प्रचार के अवाधिनीय उदाहरण आये हैं। अप्राप्त बयस्क धारों को बिना उनके अभिभावकों की लिखित सम्मति के धार्मिक शिक्षा देना या धार्मिक उपासना में सम्मिलित करना भारतीय संविधान की धारा २८ (३) के प्रतीकूल है। टोकाड माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों ने इसकी जान बुझ कर अवहेलना की है।

विद्यालय उप- निरीक्षक, सदर, वायवासा ने अपने पत्रांक ८०० दिनांक २-३-५८ को प्रति वेदन दिया कि टोकाड सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय में धार्मिक शिक्षा सभी धारों को दी जाती है। प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय टोकाड ने भी अपने पत्रांक १०१/५८ दिनांक १०-११-५८ को हेड सुपरवार्डर लुथरन स्कूल के पास लिखा कि (१) वर्गरक्षण के पहले रोजाना प्रार्थना होती है। यह स्कूल के पाठ्य क्रम के दैनिक कार्य क्रम में का एक अंश है।

२- "विद्यालय प्रबोध के बहत अभिभावकों को स्कूल के नियमानुसार धारों को रखने का लकरार नामा लिखा गया है।"

हेड सुपरवार्डर, लुथरन स्कूल, रांची ने अपने पत्रांक २६२ दिनांक ८-८-५८ में लिखा कि "They (Non-Christian) students) have been attending religious instructions on the express consent of their guardians"

हरके पूर्व फिर उन्होंने अपने पत्रांक २०१ दिनांक १४-३-५८ को भी उत्तर दिया कि "We are imparting religious instructions in our schools which are run by a religious body in accordance with law".

प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय टोकाड, ने अपने स्कूल की आदेश पुस्तिक में २५-४-५८ तथा २०-३-५८ को आदेश द्वारा धर्म शिक्षा पढ़ने की धंटी नियमित की है। इसके समर्थन में स्वयं प्रधानाध्यापक ने २५-४-५८ को- उप- विद्यालय निरीक्षण सदर, के निरीक्षण टिप्पणी को उत्तर इस प्रकार दिया है :-" स्कूल समिति के नं २०५० /२२-१-५५ के अनुसार स्कूल में धर्म शिक्षा पढ़ने की धंटी नियमित की गई है पहले भी ऐसा ही समय नियमित किया गया था। कृपा

उपर्युक्त स्वीकारोक्तियों और निरीक्षण टिप्पणियों से रफ़्ट प्रमाणित होता है कि सम्बन्धित प्राप्त माध्यमिक विद्यालय टोकाड में ईसाई तथा गैर-ईसाई सभी छात्रों को धार्मिक शिक्षा नियमित रूप से दी जाती है ।

मैं ने ६-११-५८ को निरीक्षण करने के समय उधानाध्यापक से अभिभावकों द्वारा लिखित सम्मति के प्रमाण मांगे जिनके आधार पर गैर ईसाई छात्रों को ईसाई धर्म की शिक्षा दी जाती है । परन्तु प्रधानाध्यापक ने कोई प्रमाण प्रेष नहीं किया ।

पत्रांक ५४३५ दिनांक १३-११-५८ के द्वारा मैं ने सुपरवार्जर लुथरन स्कूल राँची लिखा कि स्कूलमें स्कूल में गैर ईसाई छात्रों को धार्मिक शिक्षा देना बंद कर दें । पर इसका कोई भी पालन प्रतिवेदन बांधित तिथि २६-११-५८ तक या आज तक नहीं मिला । फलतः वायद्य हो कर मुझे उस स्कूल की प्रतिवीकृति हटा लेने का आदेश देना पड़ा ।

सुपरवार्जर लुथरन स्कूल, राँची अपने पत्रांक ४३३ दिनांक २०-११-५८ को मेरे पास लिखा है कि निरीक्षण अधिकारियों ने प्रम वश प्रारंभिक प्रार्थना को धार्मिक शिक्षा मान लिया है । पर उपर्युक्त विवरण स्वर्ण सुपरवार्जर के पत्रांक २६२ दिनांक १८/५८/२०९ ११-११-५८ में लिखित स्वीकारोक्ति के विपरीत है । (अनुच्छेदक) उधानाध्यापक ने भी इसे स्वीकार किया है । निरीक्षण अधिकारियों ने संपूर्ण वर्ग में क्लेवर्टन कोठारी में नियमित विषय को तरह इसे पढ़ाते पाया है इस सम्बन्ध में यह कहाना आवश्यक है कि बैंदगार्ड टोकाड दोनों दोसे दोनों में ईसाई और गैर ईसाई छात्रों के बीच इसी कारण पारस्परिक वृष्णा फैली है । और राष्ट्रीय दृष्टि कोण से यह विद्यातक है । जो लोक शिक्षा निदेशक, विद्यार, पटना के परि पत्र २८३८ दिनांक १६-५-१८५८ के अनुच्छेद (सी) के विपरीत है ।

शिक्षा विभागीय द्वारा विद्यालय के सभी छात्रों में पारस्परिक सदभावना, समता इवं सभी धर्मों के प्रति सम्मान भावनाओं को जागृत करने की वृश्टि से टोकाड माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों की नीति सर्वथा विरुद्ध है ।

ये ही कारण है कि जिनके आधार पर उसकी प्रत्येकृति हटा ली गई है ।

मदतीय,

१८/११/१९
जिला शिक्षा पदाधिकारी

सिहमूम,

अनुलानक:- पत्रांक ५४३५ दिनांक १३-११-५८

(जिला शिक्षा पदाधिकारी, बारा)
लोक शिक्षा निदेशक के पत्रांक २८३८ दिनांक १६-५-५८ को
(सी) अंश की प्रतिलिपि ।

A copy of letter No. VII/R8-01/57E. 2838 dated 26th May, 1959 from the Director of Public Instruction, Bihar to the all the District Education Officers and Sub-Divisional Education Officers in the State and others.

oooooooooooo

* Additions and corrections in the Bihar Education Code, 1944.

Substitute the existing rules in article 182 of the Bihar Education Code and add a new article numbered 182 A, as below:-

182. Withdrawal or withholding of recognition.

Recognition shall only be withdrawn or withheld for reasons to be recorded in writing and on one of the following grounds:-

- (a) That the school does not follow the course of study prescribed or approved by the Department.
- (b) that it has committed a willful breach of the transfer rules.
- (c) that it has not attained or does not attain to a reasonable standard of efficiency
- (d) that it does not maintain a satisfactory standard of discipline or employs any teacher who takes part in political agitation directed against the authority of Govt. or who endeavours to instigate opinions tending to excite feelings of political disloyalty or disaffection among the pupils, or to create hatred between the different classes of the residents of the Indian Union.
- (e) that the Managing Committee of the school is not functioning in a way conducive to the smooth administration of the school affairs or proper maintenance of discipline among the teachers or pupils, is not carrying out the directions of the Board of Secondary Education or any competent authority or is not administering the finances of the school properly, or
- (f) that it appears to the authority empowered to grant recognition for any other reason to be injurious to the interest of Education.

Note:-

These rules apply to such Middle and Primary Schools (including Primary Sanskrit Schools and Primary Urdu Schools) as are not under the control of District Boards and special schools such as Sanskrit schools and Madrasas. If recognition is refused to a school under the control of a Municipality, a copy of the order should be sent to the Chairman of the Municipality. The recognition of schools, under the control of District Boards, is governed by the statutory rules framed for these bodies.

182 A. Withdrawal of approval to the constitution of the Managing Committee.

For reasons specified in Clause (a) of the aforesaid rule, the President, Board of Secondary Education in respect of Secondary Schools and District Education Officer in respect of Elementary Schools, instead of withdrawing or withholding recognition, may withdraw the approval to the constitution of the Managing Committee and make such arrangements for the management of the school as he considers suitable pending proper re-constitution of the Managing Committee. For the purpose of this rule, Elementary Schools will mean, "Primary and Middle Schools".

oooooooooooo

8
27.1.60

टोकाड माध्यमिक विद्यालय पर श्री गुरुदयाल प्रसाद, अनुमान्डलीय शिक्षा प्रबन्धिकारी, सदर, चार्चासा इवारा की गई निरीक्षण टिप्पणी। दिनांक २१-१२-५८

11.1.60

आज मैंने उप विद्यालय निरीक्षक, सदर के साथ टोकाड माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस स्कूल की स्वीकृति जनवरी, १८५८ से कई कारणों से बीन ली गई है।

विद्यालय में ११:४५ बजे तिन को प्रधानाध्यापक उपरिथित थे। ग्यारह लड़के हाते में टोकरियां बना रहे थे। कुछ देर के बाद अन्य तीन शिक्षक और छात्र आये। तबनुसार छात्रों की उपरिथित इस प्रकार पाई गई:- ३वाँ वर्ग ८ में ५, ६वाँ वर्ग १८ में ८, ५वाँ वर्ग ७ में ५, ४वा वर्ग १३ में ४, ३रा वर्ग ६ में ३, २रा वर्ग ८ में ३, १ला वर्ग १४ में ३, कुल ३६ में ३५। दिनांक १८-१२-५८ की हाजिरी नहीं ली गई थी। १८ तारीख को छात्रों परिथित ३६ में ४१ थी। छात्रों की परीक्षा हो चुकी है। छात्र संख्या और उपरिथित अत्यन्त असन्तोषजनक हैं और पहले की तुलना में बट रही है।

उपरिथित दिनांक २५-४-१८५८ को १०३ में ३२

, , , १६-८-१८५८ को १०१ में ६८

, , , २१-१२-१८५८ को ३६ में ३५

इस वर्ष २८ छात्रों का प्रवेश हुआ है। १८५८ के स्थानान्तर प्रमाण प्राप्त ठीक से सटे हैं, पर १८५८ में प्राक्षिट छात्रों के सभी स्थानान्तर प्रमाण प्राप्त योग्यी विसरे पढ़े हैं। प्रवेश बही में कई बाने अनी तक खाली हैं।

कोष:- कोष की पुरितकाएं अच्छी तरह लिखी नहीं जाती। गत परिदर्शन दिनांक १६-८-५८ के समय विद्यालय उप निरीक्षक, सदर ने कोष की गढ़बड़ी देखी थी, वह अभी तक मौजूद है। सामान्य कोष ३०-८-५८ तक लिखा है। वचत शून्य है। शिक्षकों को वेतन मार १८५८ तक दिया गया है जिनकी रसीद है। उसके बाद भासूली रसीद पर अर्जुम के रूप में निम्नांकित शिक्षकों को वेतन दिया गया है।

श्री बरण वास १०१ रु०

श्री पोलुस मुण्डा ६१ १४ न०प०

श्री फिलिप पूर्णि ३५ ०० ,

१८७ १४

इनमें से ५१ २५ न०प० क्राफ्ट की आय से तथा प्र०० फाल आदि के रुपये से दिये गये हैं।

शुल्क संग्रह बही:- शुल्क संग्रह बही नहीं रखी जाती है। केवल रसीद बही में प्राप्त रुपयों की रसीद दी जाती है। यह कहना मुश्किल है कि किस छात्र से किस महीने की फीस बसूल की गई या नहीं और किसके पास कितना बाकी है। छात्रों परिथित बही में हसका कोई उल्लेख नहीं है और वर्ग शिक्षक को हसकी जानकारी नहीं हो। सितम्बर ५८ में १०३ रु० कीस के रूप में जमा किया गया है। उसके बाद कोई रकम जमा नहीं है।

अन्य कोषों की स्थिति इस प्रकार है:-

मवन-नियमि ३१-३-५८ तक

जब्योग क्राफ्ट २५-४-५८ तक

२५ ६८

३४६ ८५

पुरस्कार २१-१२-५० तक	३० ००
मिनियल २०-१२-५० तक	१८० ६८
पुरस्कालय ३०-११-५० तक	१०४ ३०
	८१३ ६८

कंटीनेंसी मद में से २०-१०-५८ तक २०२२ न०पे० और लर्च किये गये हैं। गत १५, १६ सितम्बर, १८५८ के परिदर्शन में भी आदेश दिया गया था कि हिसाब अक्षतन [अप-टू-डेट] कर लें पर हस और कोई लेख नहीं की गई है।

इन रापयों के रखने के लिये कोई पास बुक नहीं है। यही नहीं, १८५०-५८ में प्राप्त हम्पू बमेंट ग्राह्ट के २८८०० अभी तक दर्ज नहीं है।

ऊपर के विभिन्न कोषों के लक्ष रापये तथा शिक्षकों के प्रो-वीडेट फाई के रापये में से शिक्षकों को वेतन दिया जाता है जैसा कि प्रधान शिक्षक ने कहा, पर कितने रापये किस फाई से दिये गये। इसका हिसाब नहीं दिखलाया जा सका।

परीक्षा-बम्ब कोष में २८-४-५८ को १२३ ८४ न०पे० बचत थे। १३-४-५८ तक और लर्च १०६ ७४ न०पे० दिखलाये गये हैं, पर २४-४-५८ के बाद १८५८ की वार्षिक परीक्षा की आय नहीं लिखी गई है। इस मद में भी ४५ रु० १३-११-५८ का भाउचर नहीं है। कुछ भाउचर जो प्रधानाध्यापक ने दिखाये, वे अवैरियत रूप से रखे हुए। उन्हें यथा स्थान साट देना चाहिये।

१८५८ की वार्षिक परीक्षा में भी सभी विषयों के प्राप्त परीक्षा फल बही में नहीं लिखे गये हैं, ६ठे, सातवें में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के नाम के आगे भी कोई अन्युचित नहीं है।

प्रो-वीडेट फाई:- सभी शिक्षक अपने वेतन में से प्रो-वीडेट फाई कटाते हैं और सरकारी से हसका अंशदान मिलता रहा है। ४-४-५८ के बाद किसी भी शिक्षक के प्रो-वीडेट फाई के रूपए जमा नहीं किये गये हैं और न स्कूल में हसका कहीं कोई हिसाब ही है कि किनके कितने रापये अभी तक उनके वेतन से लिये गये और कितने सुरक्षर से मिले। चरीब और असहाय शिक्षकों के हक के प्रति यह अत्यन्त अन्याय है।

गत १५-१६ सितम्बर, १८५८ को किये गये पालन प्रतिवेदन में भी प्रधानाध्यापक ने जिन्हें जिन्हें को दूर करने का आश्वासन दिया था, वे दूर नहीं की जा सकीं। तदनुसार कः शुल्क संग्रह बही, रट्टक बुक, लौग बुक, प्रधानाध्यापक द्वारा निरीक्षण बही नहीं बनाई गई है।

सः विहायालय भवन के लिये अनुदान मिलने पर भी उसकी मरम्मत नहीं की गई है।

गः मिनियल के लिये प्राप्त १५ रु० मासिक अनुदान का प्रधानाध्यापक ने दुरुपयोग किया है।

ये सभी रापये जो प्रधानाध्यापक ने स्वयं डाक लाने के लिये ५ रु० की दर से १०५ रु०

लिया है, जमा नहीं किया गया है।

ब: गत परिदर्शन में १०४० ६१ तथा अन्य विभिन्न भव के १८८३ २३ न०प० कुल २८३० ५८ व्ह न०प० विद्यालय उप निरीक्षक के अनुसार मंत्री या प्रधानाध्यापक के पास निकलते थे।

इनमें से १०४० ६१ न०प० वेतन देने में सर्व किये गये थे जैसा कि प्रधानाध्यापक ने लिखा है। शेष रुपयों के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया गया है। अतः इस स्कूल में सरकार से प्राप्त रुपये और अन्य रुपयों का दुरुपयोग और सम्बन्ध अव्यक्त है।

च: पुस्तकालय की पुस्तकें व्यवस्थित नहीं हैं। सामान भी ठीक से नहीं रखे गये हैं। उपर्युक्त की भी कमी है।

स्कूल के मंत्री श्री रे० एम० पी० जोजो हैं। १५-१०-५३ के बाद २०-८०-५८ तथा ०-५-५८ को कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई है। स्कूल में ईसाई धर्म की शिक्षा देने के सम्बन्ध में ता० ०-५-५८ को एक प्रस्ताव रखीकृत किया गया है—“टोकाड स्कूल में धर्म विषय की अध्यात्मिक शिक्षा दी जाएगी” [प्रस्ताव ६ का अंश दि० ०-५-५८]

विद्यालय की बत्तमान स्थिति पूर्वप्रिव्वतर है। द्वात्र संलग्न भी अत्यन्त अल्प है। सरकारी रुपयों का दुरुपयोग होता है। आय-व्यय का हिसाब ठीक से नहीं रखा जाता। शिक्षकों को नियमित वेतन नहीं मिलता। सिलेबस का पालन नहीं किया जाता। धर्म शिक्षा की पड़ावी पर प्रस्ताव के द्वारा भी जोर दिया गया।

गत परिदर्शन के बाद विद्यालय में प्रगति होने के बजाय अन्तर्भूति ही होती रही है।

प्रधानाध्यापक और मंत्री उपर लिखी सारी बातों के सम्बन्ध में अविलम्ब पालन प्रतिवेदन में जो और आय-व्यय के सारे हिसाब - किताब व्यवस्थित कर, वचत रुपये जास बुक में जमा करें तथा सभी शिक्षकों को नवम्बर ५८ तक वेतन दे दें।

२० गुरुरव्याल प्रसाद
अनुमान्तरीय शिक्षा पदाधिकारी, सदर
चाईबासा

ज्ञापांक: १ जा०-१५५८:

चाईबासा, दिनांक

दिसम्बर, १९५८

२०५८ प्रतिलिपि जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिंहभूम के पास आवश्यक कार्यादि प्रेषित।
विद्यालय पुनः प्रस्तीकृति के योग्य नहीं है।

अनुमान्तरीय शिक्षा पदाधिकारी, सदर,
चाईबासा

ज्ञापांक: १ जा-१५-५८: ७०-७३

चाईबासा, दिनांक २९ दिसम्बर, १९५८

प्रतिलिपि हेड सुपरवाइजर, लुधरन, राँची, उप विद्यालय निरीक्षक, सदर, चाईबासा, प्रधानाध्यापक, टोकाड माध्यमिक विद्यालय के पास आवश्यक कार्यादि प्रेषित। हेड सुपरवाइजर लुधरन, राँची से अनुरोध है कि वे १०-१-१९६० तक पालन प्रतिवेदन में जारी करें।

अनुमान्तरीय शिक्षा पदाधिकारी, सदर,
चाईबासा

भारत सरकार के सेवार्थ ।

(पता नित्ययुक्त पुर्जे पर लिखता जायगा ।)

हैंड (उत्तराखण्ड, उत्तरान, १८७९)
(१८७९.)

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र खरीदें ।

अनुसूची ५३— प्रपत्र संख्या २४६ य०

बिहार गवर्नरमेंट प्रेस, गया । -



No :----- 68/5R-3-59.

From, The District Education Officer,
Singhbhum.

To, The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.
Chabissa, the 6 January 1960.

Subject:- Withdrawal of recognition of Tokad Lutheran Middle School.

Sir, With reference to your letter No. 146 dated 19.11.59 on the subject noted above, I have to send herewith a copy of letter No. 964 dated 22.1.59 addressed to the Deputy Collector Incharge, Singhbhum.

Enc:- 3 pages.

Yours faithfully,
sd/H. Prasad 8/1/60
District Education Officer,
Singhbhum.

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR LUTHERAN SCHOOLS,
R A N C H I.

No. 146 /59-HS-5

From,

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To,

The District Education Officer,
Singbhum, Chaibassa.

Dated Ranchi, the 19th November, 1959.

Subject:- Withdrawal of Recognition of Tokad
Lutheran Middle School.

Reference:- My No.21-22/59 dt.22.2.59.

S i r,

In inviting reference to my above quoted letter on the subject mentioned above I have to say that I wanted certain clarifications as to why and for what reasons the recognition of the Tokad Luth. M.E. School was withdrawn. As far as the question of imparting religious instruction is concerned I have fully explained the matter in my letter No.433/58-HS-37 dt.20.11.58. If the matter could not be made clear, I should have been given further opportunity to explain it more fully. It is, however, regretted that the S.D.O. neither acknowledged my letter nor did he give me any further opportunity to explain myself.

It is needless to say that the school has suffered much due to this action of the department. I write you with request to please examine this matter personally and restore recognition of the school. The mistake that the Headmaster or I have done should be explained to us beyond any reasonable doubt and it will not be impossible for us to amend them. Please consider this matter in larger interests for the future education of our children for whom we have been running this school since many years from now. If you think that I should personally see you, please give me a date. Thanks.

Yours sincerely,
Sd/- N.E. Horo,

Memo No. 146 /59-HS-5 Dt.19.11.59. Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy forwarded to the Deputy Commissioner, Singbhum, Chaibassa. He is requested to kindly intervene in the matter so that the recognition of the Tokad M.E. School is restored. The recognition was withdrawn with effect from 1st January, 1959.

W.M. 19/11/59
Head Supervisor
Lutheran Schools, Ranchi.

District Education Office,
Srigaum.

Enq: withdrawal of recognition of Tohad
Bkh. M.E. School.

Sir,

Ref: my No. 21-22/59 or 22/59

In inviting response to ~~my~~ above quoted letter on the subject ~~as~~ mentioned above, I have to say that I wanted certain clarifications as to why and for what reasons the recognition of the Tohad Bkh. M.E. School was withdrawn. As far as ~~the~~ concerned I have fully explained the question of imparting religious instruction is concerned I have fully explained the matter in my letter

No. 433/58-H.S-37 of 20/11/58. If the matter could

be give me any not be made clear, should have been further opportunity given ^{further} to ^{explain} it more ^{fully}. It is regretted that in ~~so~~ ~~the~~ neither acknowledged my ^{request} to ^{explain} myself. It is needless to say that the school has

suffered much due to this action of the department. I write you with a ^{request} to please consider examine this matter personally and restore recognition of the school ~~with~~ ⁱⁿ. The mistake that the Headmaster of I have done should be explained to us beyond any reasonable doubt and it will not be impossible for us to amend them. Please consider this matter in larger

large interests of the ^{further} education of the ~~the~~ or children for whom we have ~~stated~~ been running this school ~~for~~ since many years from now. If you think that I should personally see you, please give me a date. Many

Yours

Re

19/11/59

CL DC. Singhrao, Chabarsa. He is
invited to kindly inform in the
matter so that the recognition of the
Tohad Bkh. M.E. School is restored. The
recognising withdrawal was given 1959.

No. 2319

From

The District Superintending of Education,
Singhbhum.

To

All the Sub- Inspector of Schools, Singhbhum.
All the Headmaster of Middle Schools.
All the Secretaries of Aided School.
All Deputy inspector of Schools, Singhbhum.
Deputy Supdt. of Education, Serakella.

Dated Chaibassa, the 19th July, 1959.

Sir,

In inviting your attention to the orders issued by the Deputy Secretary and Special Officer, Education Department under his letter no. 21267 dated the 19th May, 1954 I am to ~~xx~~ state that the date for submission of ~~Salary~~ bill of the teachers of managed and aided middle and primary schools was fixed on the 7th of each month but it has been observed that the bill are ~~mot~~ received regularly on the 7th of each month. It has ~~xx~~ also been observed that the bills are received throughout the month with the result that the teachers do not get their pay in time.

You are therefore here by informed that the salary bills of the teachers should be submitted to this office ~~xx~~ after necessary scrutiny in such a way that it must reach this office by the 6th evening or 7th morning of each month positively so that it may be possible to pay the teachers regularly in time. In case of "locks where hand payment has been introduced, the bills of the teachers within the Block area in duplicate should reach this office by the 3rd of each month without fail.

It may please be noted that if any bill is received in this office after the 7th it will be kept pending till next month and the defaulter for non-submission of the bill within the stipulated time will be held personally responsible for non-payment to the teachers and his name will be reported to higher authorities for disciplinary action.

Please acknowledge receipt of the letter.

Yours faithfully,
Sd/ S.B.Lall
District Supdt. of Education,
Singhbhum.

Memo no. 2319 Dated Chaibassa, the 19th July, 1959.

Copy submitted to the District Education officer,
Singhbhum for information.

Sd/ S.B.Lall
District Supdt. of Education,
Singhbhum.

OFFICE OF THE SUB-DIVISIONAL EDUCATION OFFICER, SADAR, CHAIBASSA.

OFFICE MEMO

Recognition of Tokad Middle School (Chakradharpur P.S., Sadar Sub-Division) is withdrawn with effect from the 1st. January, 1959. under instruction from the District Education Officer, Singbhum.

Sd/- G.D.Prasad.
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Memo No. 155/5R-4-59 Chaibassa, the 5 February, 1959.

Copy forwarded to the Head Supervisor Lutheran Schools, Ranchi (with a spare copy for the Tokad Middle School) for information and necessary action with reference to his letter No.432/58-HS-37 dated the 18th, November, 1958 addressed to the District Education Officer, Singbhum in compliance with the letter no.5435/19-2-58 dated the 13th November, 1958.

The Headmaster has failed to submit compliance report.

Sd/- G.D.Prasad,
5/2
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION.
Head Supervisor Lutheran Schools
Mr. N.E.HORO.

No.20/59-HS-37.

G.E.L.Church, Ranchi
February 22, 1959.

Sri G.D.Prasad,
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Sub:- Withdrawal of recognition of the
Tokad Lutheran M.E.School.
Ref:- Your Memo No.155/5R-4-59, Chaibassa,
the 5th February, 1959.

Sir, Acknowledging with many thanks your above quoted memo under which you have been pleased to withdraw recognition of the Tokad Luth. M.E.School with effect from 1st January 1959 under instructions from the District Education Officer, Singbhum.

I must mention here that your above memo though issued on 5th. February'59 reached me only yesterday i.e. the 21st February'59 (Saturday). The postal mark on the envelop shows that it was posted on 19th inst. at Chaibassa. I do not know the reason of withholding this important letter for such a long time in your office. However it is there.

I do not exactly know the reason or reasons of withdrawing the recognition of Tokad Luth. M.E.School, since I submitted my explanations to the District Education Officer in time under my letter No.433/58-HS-37 dated the 20th Nov'59; copies of which were sent to the Divisional Inspector of schools, Chotanagpur Division, the Deputy Commissioner, Singbhum and the Headmaster, Tokad Lutheran M.E.School on the same date. I do not make out what further explanations were required of the Headmaster, which he did not submit. ~~xxmxx~~ I still hold that there are no reasons why the recognition of our school be withdrawn.

I am enclosing a true copy of my letter no.433/58-HS-37 of 20th Nov' 59 for your reference.

May I know if your order under reference is final so that I could move further in the matter with the authorities concerned.

Yours faithfully,
Sd/- N.E.Horo,

Memo No.21-22/59-HS-37, Dt.22-2-59

Copy forwarded to the D.E.O, Singbhum; the Hm.Luth.M.E.S.Tokad
for information and ~~mail~~ful.

22/2-59
N.E.Horo.

R. P. 54

Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered* Letter..... No. 20/59.....

addressed to (name)..... Shri G. D. Prasad,.....
Sub-Divisional Education Officer, Sadar Chaibassa
At. & P. O. Chaibassa, Dist. Singhbhum.
† Insured for Rs.....

† Weighing (in words)..... to be
rates

Signature of addressee..... *G D Prasad* Sub-Divisional Education Officer,

Date of delivery..... *25.2* SADAR, CHAIBASA.

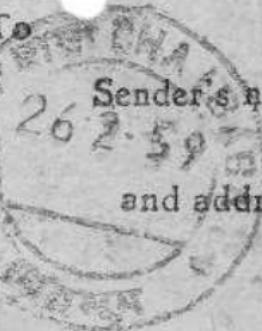
* Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel," as the case may be preceded by the word insured" if the article is insured.

† To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. PC/188/52-CMB—15.7.52.—(4317/OP-188 P & T)—1.3.53.—\$00.00.000

On Postal Service

To



Sender's name &

26.2.59

and address.



11-3-59 Head...Supervisor.....

LUTHERAN SCHOOLS, RANCHI.

*Name-stamp of
office of posting.*



OK

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR, LUTHERAN SCHOOLS, RANCHI.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No. 20/59-HS-37.

February 22, 1959.

Copy forwarded to
Sri G.D.Prasad,
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Sub: Withdrawal of recognition of the Tokad
Lutheran M.E.School.

Ref: Your Memo No. I55/5R-4-59, Chaibassa, the
5th. February, 1959.

Sir,

Acknowledging with many thanks your above quoted
memo under which you have been pleased to withdraw recogni-
tion of the Tokad Lutheran M.E.School with effect from 1 st.
January 1959 under instructions from the District Education
Officer, Singbhum.

I must mention here that your above memo though
issued on 5th. February '59 reached me only yesterday i.e. the
21st February '59 (Saturday). The postal mark on the envelop
shows that it was posted on 19th. inst. at Chaibassa. I do not
know the reason of withholding this important letter for such
a long time in your office. However it is there.

I do not exactly know the reason or reasons of
withdrawing the recognition of Tokad Luth. M.E.School, since
I submitted my explanations to you the District Education Off-
icer in time under my letter No. 433/58-HS-37 dated the 20th.
Nov '59; copies of which were sent to the Divisional Inspector
of schools, Chotanagpur Division, the Deputy Commissioner,
Singbhum and the Headmaster, Tokad Luth. M.E. School on the same
date. I do not make out what further explanations were required
of the headmaster, which he did not submit. I still hold that
there are no reasons why the recognition of our school be with-
drawn.

I am enclosing a true copy of my letter No. 433/58
-HS-37 of 20th. Nov '59 for your reference.

May I know if your order under reference is final
so that I could move further in the matter with the auth-
orities concerned.

Yours faithfully,

Say - N. E. Horo

Enclosure

28
GOSSENER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Non-Government Primary Schools

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR, LUTHERAN SCHOOLS RANCHI.
G. E. L. CHURCH RANCHI.

Mem No. 21-22/59-HS-37. dated Ranchi the 22nd Feb '59.

Copy forwarded to:

The District Education Officer, Singbhum
The Headmaster, Luth. M.E. School, Tokad
for information and needful

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

I am sending you a copy of the circular issued by the Government of West Bengal regarding the opening of schools in the districts of Singbhum and Jharkhand. The circular states that schools in these districts will be opened on 1st April 1959. I am enclosing a copy of the circular for your information.

I am sending you a copy of the circular issued by the Government of West Bengal regarding the opening of schools in the districts of Singbhum and Jharkhand. The circular states that schools in these districts will be opened on 1st April 1959. I am enclosing a copy of the circular for your information.

I am sending you a copy of the circular issued by the Government of West Bengal regarding the opening of schools in the districts of Singbhum and Jharkhand. The circular states that schools in these districts will be opened on 1st April 1959. I am enclosing a copy of the circular for your information.

I am sending you a copy of the circular issued by the Government of West Bengal regarding the opening of schools in the districts of Singbhum and Jharkhand. The circular states that schools in these districts will be opened on 1st April 1959. I am enclosing a copy of the circular for your information.

I am sending you a copy of the circular issued by the Government of West Bengal regarding the opening of schools in the districts of Singbhum and Jharkhand. The circular states that schools in these districts will be opened on 1st April 1959. I am enclosing a copy of the circular for your information.

W.E.M. - 28

value

प्रिय सचिव जी

श्रीमान हेड सुपरमैजर लुचेरान स्कूल नांदी ।

बजारिश मैनेजिंग कमिटी सेक्रेटरी लुचेरान मिडिल
स्कूल टोकाड ।

महोदय,

सुनने में जाया है कि तारीख २१-२-५६५०

को बन्दगाव में बाईबासा से शिवाय विभाग के सबडिभ-
जानल लोपिसर लाए थे और हमारे टोकाड स्कूल के
हेडमास्टर और नव्य स्कूल के शिवायकों के सामने

सुनाया कि टोकाड मिडिल स्कूल तोड़ा गया ।

किस कारण से ऐसा कुला लगर इस स्कूल के किसी
बात को घटी के कारण ऐसा कुला है तो हम लोग
सम्मालने को तैयार हैं वाज्र सेनान पूर्वीक लाजी
हैं तो इसके विषय जांच पड़ताल किया जाय और
हम लोगों को जानाया जाय ।

लोडब्ल्ड वाज्र सालिक हैं ।

वाज्र के तावेदार गण

तारीख २२-२-५६५०

टोकाड के बोसीब्ल्ड गण

सही - पौलुस मुरडा

सही - इल्लयाजर मुन्डा

सही - मनसिंह कुन्हा

P.T.O. ०-८८८८

सूर्य लकड़ास पुत्री

सूर्य लकड़ास पुत्री गांगुली दह नामांग

मातृपत्र मुर्दा

प्रान्त सुख भोजरा

वरवावास हेमरोद

इश्वरीयारे मुर्दा

दाकांडि लकड़ा

प्रान्त

सूर्य

जोड़ा तुर्दा

देवसंही

सूर्योदाय

तुर्दा

देवसंही

तुर्दा

No.432/58-HS-37

Dated , the 18th Nov. 1958.

To,

The District Education Officer,

Singbhum, C H A I B A S S A .

S i r ,

I acknowledge herewith the receipt of your Memo no.5435/II-2-58 dated 13th November, 1958. A copy of the same has been forwarded to the Head Master Middle School Tokad for needful.

Yours faithfully,

Sd/- N.E.Horo,
18/11/58.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Department of Primary Education,
Head Supervisor, Lutheran Schools,
Mr. N.E.Horo

G.E.L.CHURCH, RANCHI

No.433/58-HS-37.

Dated, the 20th Nov.1958.

To,

The District Education Officer,
Singbhum, Chaibassa.

Sub*- Religious instruction in Tokad
Lutheran M.E.School, Bandaon.

Sir,

In continuation to my letter No.432/58-HS-37 dated the 18th November, 1958 I have to submit that each day the school begins with devotions which all the students attend. This hour of devotion cannot be called a class of religious instruction. Religious instructions are held separately and no Inspecting Officer has ever visited such classes. Apparently the Inspecting Officers have misunderstood the opening devotion to be a class of religious instruction.

Religious instruction are meant only for those who willingly want to attend and no one has ever been compelled to attend it. No non-Christian guardian has ever complained or objected to in this connection. It cannot be said therefore that we have been compelling the non-Christian students to attend the religious instruction .From the report of the Headmaster it appears that the District Education Officer, Singbhum did not ask the former for declarations of guardins in connection with religious instructions when he frisited the school on 6th Nov. 1958. The declaration forms four in number presented to him were regarding the admission of students in the school.

Under the circumstances I do not see any reason why the Tokad Lutheran M.E.School should be punished through withdrawal of its recognition.

Yours faithfully,

Sd/-N.E.Horo,
20/11/58.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi

Copy to:-

- (1) The Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi, and
- (2) The Deputy Commissioner Singbhum, Chaibassa for information. This is in reply to Memo No.5435/II-2-58 dated 13th Nov. 1958 of the District Education Officer, Singbhum.

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle Schools,
Bandgaon.

The Dy-Inspector of Schools, Sadar, Chaibassa in his letter No.900 dated the 2nd June, 1958, reported that he found religious instruction being imparted to both Christian and Non-Christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the School Committee. The District Inspector of Schools, Singbhum in his letter No.3010 of the 3rd July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran schools, Ranchi in his letter no. 201 dated 14th July, 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to articles 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the fundamental chapters of the Constitution of India. He also asked the District Inspector of Schools, Singbhum to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of Schools, Singbhum in his letter No. 3466 of the 19th July, 1958 asked the Head Supervisor Lutheran School, Ranchi to quote authority under which he imparted religious instruction to Non-Christian students. The Head Supervisor Lutheran Schools, Ranchi in his letter No.262 of the 9th August, 1958 said that the Non-Christian Students were attending religious Instruction on the express consent of their guardians.

I visited the school on the 6th November and asked the Headmaster to let me have all the forms of declarations used by the guardians. He gave me some forms, but he did not show me any declaration by Non-Christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but he replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in this, declarations by Non-Christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the Catholic Mission. It seems to me, therefore, that the statement of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Headmaster to stop all religious teaching to Non-Christian students. If a compliance report is not received here by the 25th instant, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

Sd/- H. Prasad,
District Education Officer, Singbhum.

Memo No.5435/II-2-58. Chaibassa, the 13 November, 1958.

Copy submitted to the Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singbhum and Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi, for information.

Sd/- H. Prasad
10/11/58
District Education Officer, Singbhum.

No.3466/II-2-58.

From

The District Inspector of Schools, Singbhum.

To,

The Head Supervisor,
Lutheran schools, Ranchi.

Dhaibassa, the 19 July, 1958.

S i r,

In reference to your letter No.201 dated 14.7.58 I have to request you to quote any authority under which religious instructions are to be imparted to non-christian students, which the school does at present.

Yours faithfully,

Sd/- H.Prasad,
18/7

District Inspector of Schools,
Singbhum.

No. 262/58-HS-37

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To,

The District Inspector of Schools,
Singbhum Chaibassa.

Dated Ranchi, the 9th August, 1958.

S i r,

With reference to your letter no.3466/II-2-58 dated 19th July, 1958 I have to say that religious instruction in the Tokad Middle School is in no way compulsory for non-Christians students. They have been attending religious instruction on the express consent of their guardians and as such no complians have ever been made to us and to the authorities concerned.

You are introducing a new thing in your letter under reference which is altogether absent in your original order to the Deputy Inspector of Schools Chaibassa Sadar, which was intended to be communicated to the Headmaster of the Tokad Middle School. I should think that to introduce a new thing purported be a reply to my letter no.201 dated 14.7.58 is ~~irrelevant~~ irrelevant and not tenable. I am sorry to state that your letter under reference is no reply to my letter. It must be concluded that your order under reference is not based on any authority and as such your order is of non-effect.

Yours faithfully,

Sd/- N.E.Horo,
9/8/58
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

for information.

RELIGIOUS TEACHING IN THE MIDDLE SCHOOL
T O K D.

No.3010/II-2-58.

From,

The District Inspector of Schools, Singbhum.

To,

The Deputy Inspector of Schools Sadar

Chaibassa, the 3rd July, 1958.

Sir,

Please ask the Headmaster, Tokad Middle School to stop religious teaching in his school, or recognition of it would be withdrawn.

Yours faithfully,

Sd/- R. Prasad,
District Inspector of Schools, Singbhum,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

Memo no. 1028
5/7/58

Copy forwarded to the Headmaster, Tokad Middle School for information. He should reply whether the order is complied with.

Sd/- M.M.Khan,
for Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

No. 201/58

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To

The District Inspector of Schools,
Singbhum, At & P.O. Chaibassa,
Dist. Singbhum.

Dated Ranchi, the 14th July, 1958.

Subject:

Religious instruction in schools run by
religious denominations.

Reference:-

Your no.3010/II-2-58 addressed to the Deputy Inspector of Schools Sadar Chaibassa copy of which forwarded to the Headmaster Tokad Lutheran M.E. School by the Deputy Inspector (Sadar) under his memo no.1028 of 5.7.58.

S i r,

Would you be so kind as to quote me the authority under which you have ordered the Headmaster of the Tokad Lutheran M.E. School through the Deputy Inspector of Schools Sadar, to stop imparting religious instruction in the said school with an ultimatum to withdraw its recognition.

In this connection I have to draw your attention to Article 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the Fundamental Chapters of the Constitution of India which in clear terms explain the position in question. We are imparting religious instruction in our schools, which are run by a religious body, in accordance with law.

I have to submit that your above mentioned order is wholly unwarranted and is in contravention of the Constitution of India, and we are taking serious view of it.

Yours sincerely,

Sd/- N.E.Horo,

Memo no. 201/58, dt. Ranchi the 14 July, 1958
Copy forwarded to: The Deputy Inspector of Schools, Sadar Chaibassa, Singbhum with ref. to his Memo.1028/5.7.58
Lutheran schools, Ranchi.
for information.

भारत सरकार के सेवार्थ

पत्रांक

सेवा में

प्रेषक :—

डॉकघर

जिला



Sub-Divisional Education Officer,
सदर अनु सदर, CHAIBASA.



1900.

प्राप्ति १३३/२८

97-11-3C

ପ୍ରଦୀପ୍-ପ୍ରକାଶକ

દ્વારા નિર્દેખ થાય,

५३०. वन्देमात्र (शंखा) ।

સેવા

जिन्होंने शिवायीको, तिर्युग,
कोई वाजा ।

চান্দ কলেজ ১৮৬০ সালের দিন।

विद्यार्थी : अस्त्रांगी सहायता. विद्या-प्रयुक्ति
के लिये आवेदन पत्र ।

મોહનશરીર

जाति के विवरण के लिए ३६४/३६५
१३८ विकास विहार के पत्रिके में जाति के
सुनिक रेता जाता है जो अस्तव्या सहस्रल-प्राची
भृत्यां के लिए लोकोप विकल्प रहने का
प्रयत्न है १३८/३८ लिंग ११-१८
के विवरणों के तथा विवेक, शही-पांडिया
के विवरणों में समर्पित कर लिए गए हैं ।

गोपी लाला,

二
卷之二

କାଳିକୀ ୨୦୨୦୮୮୫୮୮୫

5/22/2018

18-99-28

8-11-18



GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No. & 433 /58-HS-37.

Dated, the 20th Nov. 1958.

To,

The District Education Officer,
Singbhum. Chaibassa.

Sub:- Religious instruction in Tokad
Lutheran M.E. School, Bandgaon.

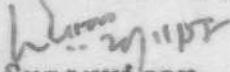
Sir,

In continuation to my letter No.432/58-HS-37 dated the 18th November, 1958 I have to submit that each day the school begins with devotions which all the students attend. This hour of devotion cannot be called a class of religious instruction. Religious instructions are held separately and no Inspecting Officer has ever visited such classes. Apparently the Inspecting Officers have misunderstood the opening devotion to be a class of religious instruction.

Religious instruction are meant only for those who willingly want to attend and no one has ever been compelled to attend it. No non-Christian guardian has ever complained or objected to in this connection. It cannot be said therefore that we have been compelling the non-Christian students to attend the religious instruction. From the report of the Headmaster it appears that the District Education Officer, Singbhum, did not ask the former for declarations of guardians in connection with religious instructions when he visited the school on 6th Nov. 1958. The declaration forms four in number presented to him were regarding the admission of students in the School.

Under the circumstances I do not see any reason why the Tokad Lutheran M.E. School should be punished through withdrawal of its recognition.

Yours faithfully,


Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF EDUCATION

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Page - 2.

Copy to :-

(1) The Inspector of Schools, Chetanagpur
Division, Ranchi and

(2) The Deputy Commissioner Singbhum, Chaibassa for information. This is in reply to the Memo No. 5435/II-2-58 dated 13th Nov. 1958 of the District Education Officer, Singbhum.

(3) The Headmaster Lutheran Middle School Tokad for information.

158 2011.11.20

विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य था। इनके बारे में विवरण देने के लिए विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य था। इनके बारे में विवरण देने के लिए विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य था। इनके बारे में विवरण देने के लिए विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य था। इनके बारे में विवरण देने के लिए विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य था।

No. 432

/58-HS-37.

Dated, the 18th Nov. 1958.

To,

The District Education Officer,

Singbhum, C H A I B A S S A.

Sir,

I acknowledge herewith the receipt of your Memo no. 5435/II-2-58 dated 13th November, 1958. A copy of the same has been forwarded to the Head Master Middle School Tokad for needful.

Yours faithfully,

W. S. Rajput.
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

धैर्यकः श्री हनुम जोश

पत्रोंक १०९/४२

पुस्तकालय विभाग विभाग, पप/३१ १०-११४४

टोकार्ड निरीक्षण संकारण

प्राप्ति का दिन १५०:- वृद्धांशु (मेघालय)।

मुद्राकारः श्री विष्णु विकास [विकास]

मुद्राकार का नाम श्री विष्णु विकास अमरशंकर,

मुद्रा का नाम विकास रामचंद्र, रैची।

टोकार्ड दिनांक १५० वीं नवेष्वर्द फूर्त

५ नवेष्वर्द विकास

विष्णु विकास विकास विकास

विष्णु विकास

भाष्य का पत्रोंक ४२४/४२ दिनोंक १६८ वीं नवेष्वर्द

४२४ के प्रवृत्ति में भाष्य के अधिकृत किया जाता

है जो १. वर्जनरम्य के पठने शोजान्त्र धार्षिता

होती है। यह इनके पठनक्रम के दैनिक क्रमक्रम

का एक जोश है। श्री बैद्यविहारी जाना, जिना विष्णुविकास

विष्णुविकास के १६८/११/४४ के निरीक्षण में तथा श्री भा.

हारुन, विष्णुविकास ठप-निरीक्षण, भद्र-नारदिकाला

के १५/१६-४२४ के निरीक्षण का जोश है।।

२. भाष्य ने भारत के विष्णुविकास वर्त(२)

का इल्लेख किया है। इस के भाग्यसार धर्मस्वाधीन

स्वरूपत भैरवाज्ञों में वार्तालालक विकास देना अप्रवृत्त

वतवान्त्रा गया है। विकास की विष्णुविकास

विष्णुविकास के उत्ती पक्षपत्र नहीं किया गया है। अतः

ईसाई-गैर-ईसाई दृष्टि-दृष्टि नवीन रसेत्वा एवं

व्याप-विकास-पठन के उपरिकृत होते जाते हैं।

विष्णुविकास-धर्मशास्त्र के वक्त जनभिभावकों को इनका

26/POP 1011P

34-pp-ep

1960-1961

६१/११/२८ को विद्यालय-पदाधिकारियों को विद्यालय नियोजन के अधिकार एवं विषयालय-विभाग

अमर्जन्ती वर्ष के फलक दिये जाए - वर्षमें निरेक्षा [वर्ष-पाठ अमर्जन्ती लिखी है]। वर्षमें तो होते ही किसी अवधि जिन के अधिनियम के वर्ष-विकास-पाठ में उपरिचित कराये के लिये किसी अनुराग में विकृत अमर्ति है।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO. I...sq. mofl beunijnos

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle School,
Bandgaon.

The Dy-Inspector of schools, Badar, Chaibassa in his letter No. 900 dated 2nd June, 1958 reported that he found religious instruction being imparted to both christian and non-christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the school committee. The District Inspector of schools, Singbhum, in his letter No. 3010 of the 3rd July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 201 dated 14th July 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to Article 28(2) and (3) & 30(I) & (2) given in the Fundamental chapters of the constitution of India. He also asked the District Inspector of schools, Singbhum, to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of schools, Singbhum in his letter No. 3466 of the 19th July 1958 asked the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi, to quote authority under which he imparted religious instruction to non-christian students. The Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi in his letter No. 262 of the 9th August '58 said that the non-christian students were attending religious instruction on the express consent of the guardians.

I visited the school on the 6th Nov. '58 and asked the Headmaster to let me have all the forms of declaration used by the guardians. He gave me some forms, but he did not show any declaration by non-christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but he replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in it, declaration by non-christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the catholic mission. It seems to me, therefore, that the statements of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Head master to stop all religious teaching to non-christian students. If a compliance report is not received here by 25th inst., I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

continued from page . . . I. MURRAY HORN

G. E. L. CHURCH, RANCH.

Herb 2 September 1974 -2-

Buusan/
10/II

Sd. H. P. Basu,
District Education Officer, Singbhum.

Mem No. 5435/ II-2-58 Chaibassa the 13 th. Nov. '58.

Copy submitted to the Inspector of schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singbhum and Head Supervisor of schools, Ranchi for information.

Sd: H. Prasad,

Io. II. 58

District Education Officer, Singbhum.

Office of the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi.
Memo No. 429/58 dated the 16th. Nov.'58.

Memo No. 429/58 dated the 16th Nov. '58.

Copy forwarded to the Head Master. Luth. M.E.School, Tokad for information and compliance report to this office immediately. He should also report to me actual occurrences when the Inspecting Officers visited his school, and any other information in this connection which he would like me to know.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchm.

I am still in communication with Mr. H. C. Ladd, of the Boston Museum, and am sending him a copy of this letter along with a copy of the letter from Mr. Ladd to Mr. Ladd, which I have in my possession.

W. 1958
Enquiry report on the affairs of Tekad Lutheran Middle School, Bandgaon

The Sub-Inspector of Schools, Sadar, Chaibasa in his letter No. 900 dated the 2nd June, 1958, reported that he found religious instruction being imparted to both Christian and Non-Christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the School Committee. The District Inspector of Schools, Singhbhum in his letter No. 3010 of the 3rd July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 201 dated 14th July, 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to articles 28(2) and (3) and 30(1) & (2) given in the fundamental chapters of the Constitution of India. He also asked the District Inspector of Schools, Singhbhum to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of Schools, Singhbhum in his letter No. 3466 of the 19th July, 1958 asked the Head Supervisor, Lutheran School, Ranchi to quote authority under which he imparted religious instruction to Non-Christian students. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 262 of the 9th August, 1958 ^{sent} that the Non-Christian students were attending religious instruction on the express consent of their guardians.

I visited the school on the 6th November and asked the Headmaster to let me have all the forms of declarations used by the guardians. He gave me some forms, but he did not show me any declaration by Non-Christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but he replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in this, declarations by Non-Christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the Catholic Mission. It seems to me, therefore, that the statement of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Headmaster to stop all religious teaching to Non-Christian students. If a compliance report is not received here by the 25th instant, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

Bhusan/
10/11.

Memo No.

2838/1L-2-58.

Chaibasa, the 93 November, 1958.

Sd/- H. Prasad,
District Education Officer, Singhbhum.

Copy submitted to the Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singhbhum and Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi, for information.

H. Prasad 10/11/58
District Education Officer, Singhbhum.

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To

The District Inspector of Schools,
Singbhum, Chaibassa.Dated Ranchi, the 7th August, 1958.

S i r,

With reference to your letter no. 3466/11-2-58 dated 19th July, 1958, I have to say that religious instruction in the Tokad Middle School is no way compulsory for non-Christian students. They have been attending religious instruction on the express consent of their guardians and as such no complains have ever been made to us and to the authorities concerned.

You are introducing a new thing in your letter under reference which is altogether absent in your original order to the Deputy Inspector of Schools Chaibassa Sadar, which was intended to be communicated to the Headmaster of the Tokad Middle School. I should think that to introduce a new thing purported to be a reply to my letter no. 201 dated 14.7.58 is irrelevant and not tenable. I am sorry to state that your letter under reference is no reply to my letter. It must be concluded that your order under reference is not based on any authority and as such your order is non-effect.

Yours faithfully,

W. S. 9/8/58
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy to:-

The Head Master, Middle School, Tokad
for information.

*For date Ranchi 7 July 1958
To the Deputy Inspector of Schools, Sadar, Singbhum, Chaibassa
Reference to his letter no. 1029/57/58 for information.*

*145**W. S. 9/8/58.*

No. 3899 /11-2-58.

From

The District Inspector of Schools, Singhbhum.

To

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Chaibasa, the

9th July, 1958.

Sir,

In reference to your letter No. 201 dated 14.7.58 I have to request you to quote any authority under which religious instructions are to be imparted to non-christian students, which the school does or proses?

Yours faithfully,


18/
District Inspector of Schools,
Singhbhum.

149

• 32-5111

...mudding, a good time and lots of fun.

no. 3

• *positive feedback* is the result of a self-reinforcing loop.

Report of the Committee on Education.

1

Dated 108, 7 refel many other situations. 4
follow refel what this you claim as the factor of any (82.5 in
relation to the result of no one particular situation

Efficient strategy

according to internal points of
middle size.

No 3090 / 11-2-58

Room,

The District Inspector of Schools, Singbhum.

To,

The Deputy Inspector of Schools, Sader,
Chaibasa on 25 July 1958.

See,

Please ask the Head Master, Jokad Middle School
to stop the religious teaching in his School, as
recognition of it would be withdrawn.

Yours faithfully

Sdf R. Pased

District Inspector of Schools, Singbhum
P.O. Chaibasa
Singbhum.

Mem to 9022
2-8-58

Copy forwarded to the Head Master, Jokad
Middle School for information. He should
reply whether the order is complied with.

Sdf M. N. Khan

to Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibasa,
Singbhum.

4/8/58
92-5-58

Copy forwarded to the Head Supervisor, Hills Schools,
Ranbir for information & to issue necessary
instructions.

At 20000
92-5-58
Jumnaon, 1
Chittor B.B.C. 1

RELIGIOUS TEACHING IN THE MIDDLE SCHOOL
TOKAD.

No. 3010/II-2-58.

From, The District Inspector of Schools, Singbhum.

To, The Deputy Inspector of Schools Sadar.

Chaibassa, the 3rd July, 1958.

Sir,

Please ask the Headmaster, Tokad Middle School to stop the religious teaching in his school, or recognition of it would be withdrawn.

Yours faithfully,

Sd. R. Prasad,
District Inspector of Schools, Singbhum,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

Memo no. 1028
5/7/58

Copy forwarded to the Head Master, Tokad Middle School for information. He should reply whether the order is complied with.

Sd. M.M. Khan,
for Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

No. 35/58
12-7-58

Copy forwarded to the Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi for information and to issue necessary instructions.

Sd. H. Soy,
12/7/58.
Head Master,
Tokad Middle School.

37/HS

No. _____/58.

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To

The District Inspector of Schools,
Singbhum, At & P.O. Chaibassa,
Dist. Singbhum.

Dated Ranchi, the July, 1958.

Subject:- Religious instruction in schools run by
religious denominations.

Reference:- Your no.3010/II-2-58 addressed to the Deputy Inspector of Schools Sadar Chaibassa copy of which forwarded to the Headmaster Tokad Lutheran M.E. School by the Deputy Inspector (Sadar) under his memo no.1028 of 5.7.58.

Sir,

Would you be so kind as to quote me the authority under which you have ordered the Headmaster of the Tokad Lutheran M.E. School through the Deputy Inspector of Schools Sadar, to stop imparting religious instruction in the said school with an ultimatum to withdraw its recognition.

In this connection I have to draw your attention to Article 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the Fundamental Chapters of the Constitution of India which in clear terms explain the position in question. We are imparting religious instruction in our schools, which are run by a religious body, in accordance with law.

I have to submit that your above mentioned order is wholly unwarranted and is in contravention of the Constitution of India, and we are taking serious view of it.

Yours sincerely,
Sd/- N.E.Horo.

Memo no. 158, dated Ranchi the July 1958. Head Supervisor,
Copy forwarded to the Deputy Inspector of Schools, Sadar Chaibassa, Singbhum
with reference to his memo no. 1028/5.7.58 for information.

Memo no. 301 /58, dated Ranchi, the 14th July, 1958. Sd. N.E.Horo
Head Supervisor
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy forwarded to the Headmaster Lutheran M.E. School Tokad, P.O. Bandgaon, Dist. Singbhum with reference to his memo no.35/58 dated 12.7.58. He is requested to continue imparting religious instruction as usual.

14/7/58.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.